

आज दिखलाई विधाता ने अयोध्या में बहार ।
दौर हे ऐसा खुशियों का मगनु हैं नर नारि ॥
राण्यां शाद हुई प्रजा को हुआ मोद महा
फूल बरसाते गगन से यही देवों ने कहा
गूंजता रहे जुग जुग में प्रभु का जैकार ॥
श्रीजू आगमन से घर घर में दीपावलि छाई
युगल सरकार के मिलन की वाधाई आई
माताओं के भी दिल में छाया हैं आज आनन्द अपार ॥
यही दुआ है महाराज का इकबाल बढ़े
राज पुत्रों की सदां उमिरि बढ़े भागु बढ़े
रिषी मुनियों ने भी किया वेद की धुनियों का उचार ॥
शोभते राज गदी पर श्री सीयाराम
गोद में बैठे हैं दोनों फरिज़ंद सुखधाम
मिल के पुरिजनों ने गाया युगल का मंगलाचार ॥
खुशी का वक्त है फिर क्यों न हो आनंद हमें

वाधाई लाख है ऐ गरीबि श्री खण्ड तुम्हें
युगल का मिलना मुबारक हो तुम्हें लाख लाख वार ॥